समृद्ध किसान... हमारी पहचान...
एक किसान उत्पादक समूह
(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)

PROMOTED BY :
AFFED
A UNICORN
A Federation of Advance Farmers

निमो नाशक

तरल/दानेदार जैविक उपचार सभी फसलों के लिए

फसलों में लाभ :-

- ✓ निमो नाशक सुत्रकृमियों का भक्षण करता है और निमाटोड को नियंत्रित करता है।
- ✓ यह फसलों के जड़ सम्बन्धित रोगों में रोकथाम करता है।
- ✓ इसने प्रतिकूल परिस्थितियों (कम/उच्च नमी) में भी फसल एक समान बढ़वार करने में सक्षम होती है।
- ✓ यह जैविक उपचार उत्पाद पूर्णतः सुरक्षित व प्राकृतिक है।

प्रयोग करने के तरीके :-

इनको मिट्टी में मिलाकर अन्य जैविक खादों मे मिलाकर या सिचाई के समय टपका विधि द्वारा प्रयोग किया जा सकता है या इनका प्रयोग बिजाई के समय बीज उपचारित करने के लिए भी किया जा सकता है।

सावधानियां :- इनको धूप से बचाकर रखें। इसका प्रयोग खरपतवार नाशकों के साथ न करें।

तरल उपयोग मात्रा :- निमोनाशक 500 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

दानेदार उपयोग मात्रा :- निमोनाशक 4 कि.ग्रा. प्रति एकड़ या आवश्यकतानुसार प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।

हैमर-के जी.आर.

तरल/दानेदार जैविक उपचार सभी फसलों के लिए

उपयोगिता :-

- ✓ किसी भी फसल में इसका छिड़काव किया जा सकता है व किसी भी दानेदार PGR/ फर्टिलाइजर में मिलाकर इस्तेमाल किया जा सकता है।
- ✓ किसी भी प्रकार के दूसरे insecticide में मिलाया जा सकता है। यह भूमि से ज्यादा पोषण लेने वाली फसलों जैसे आलू, मूंगफली, ईख, मूली, गाजर, शलगम, सब्जियां, बागवानी इत्यादि के लिए आवश्यक प्रयोग में कारगार उत्पाद है।
- ✓ इसके भूमि में इस्तेमाल से लट, सुंडी, कीड़ा, गोभ का कीड़ा, व्हाइट ग्रब, सफेद लट, दीमक इत्यादि फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले समस्याओं से तुरंत छुटकारा पाया जा सकता हैं। इसका एक बार इस्तेमाल करने के बाद 10 से 15 दिन तक रिजल्ट रहता है और फसल को अन्य प्रकोपों से सुरक्षा प्रदान करता है।

प्रयोग विधिः-

- ✓ अगर समस्या कम है मतलब की फसल में लट, सुंडी, कीडा इत्यादि लगने का शुरुआती दौर है तो मात्रा 5 किलो ग्राम प्रति एकड़ इस्तेमाल कर सकते हैं।
- ✓ अगर उपरोक्त बीमारी की पहले से ज्यादा समस्या है, या फसल अनुरूप इस्तेमाल के लिए एक्सपर्ट की सलाह से प्रति एकड़ प्रयोग मात्र बढ़ा सकते हैं।

यह भारत में निर्मित एकमात्र फसल प्रकोपों पर काबू पाने के लिए तुरन्त रिजल्ट प्लांट अन्तर्वाही प्रभावी उत्पाद है, जो सभी प्रकार की फसलों और बागानों में उपयोग में लाए जा सकते हैं। इनमें PGR + होने के कारण यह फसलों को प्रकोपों से बचा कर आगे विकसित होने के लिए जरूरी न्यूट्रीशन और पोषण प्रदान करता है।

पोटेटो किंग

तरल/दानेदार जैविक उपचार स्पे. आलू व अन्य फसलों के लिए

फसलों में लाभ :-

- ✓ यह पूर्णतया जैविक उत्पाद है जिससे पौधे सकारात्मक एवं प्रभावी बढ़ोतरी करते हैं एवं तनाव रहित होकर पूर्णता प्राप्त करते हैं
- ✓ इसमें 25 प्रकार के एमिनोज व सभी पोषक तत्व है जिससे पौधे का संपूर्ण पोषण होता है
- ✓ इसके प्रयोग से आलू की संख्या व साइज बढ़ता है जिससे उपज ज्यादा होती है
- ✓ इसके प्रयोग से आलू की गुणवत्ता,स्वाद एवं चमक बेहतर होता है जिससे बाजार में उपज की अच्छी कीमत मिलती है
- ✓ इसके प्रयोग से पौधे की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है तथा भूमि का जैविय अंश एवम उपजाऊ क्षमता में वृद्धि होती है

उपयोग विधि :-

इसको किसी भी खाद या रसायन के साथ मिलकर डाला जा सकता है

सावधानियां :-

इसके प्रयोग के समय भूमि में पर्याप्त नमी होनी चाहिए।

ICAR
NATIONAL RESEARCH CENTRE
(आईसीएआर - एन आर सी)
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् - नैशनल अनुसंधान केन्द्र द्वारा गुणवत्ता निर्धारित

A COLLABORATED PANEL OF
HABITAT G.I. FARMER PRODUCER ORGANISATION
+
ICAR - NATIONAL RESEARCH CENTRE

पोटाश

तरल/दानेदार जैविक उपचार
सभी फसलों के लिए

फसलों में लाभ :-

- ✓ पोटाश सूखा, ओला, पाला आदि से बचाने में मदद करता है।
- ✓ पोटाश जड़ों को समुचित वृद्धि करके फसलों को उखड़ने से बचाता है।
- ✓ पोटाश के प्रयोग से पोधों की कोशिका दीवारें मोटी होती हैं और तने कोष्ठ की परतों में वृद्धि होती रहती है, जिसके फलस्वरूप फसल के गिरने में रक्षा होती है।
- ✓ पोटाश के प्रयोग से फलों व फूलों का आकार, वजन व स्वाद बढ़ता है।

प्रयोग करने के तरीके :-

1. तरल पोटाश का प्रयोग स्प्रे द्वारा और मिट्टी में मिलाकर व अन्य खादों में मिलाकर भी किया जा सकता है।
2. दानेदार पोटाश का प्रयोग आवश्यकतानुसार छिड़काव किया जा सकता है।

सावधानियां :- इनको धूप से बचाकर रखें। इसका प्रयोग खरपतवार नाशकों के साथ कर सकते हैं।

तरल उपयोग मात्रा :- 500 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

दानेदार उपयोग मात्रा :- 50 कि.ग्रा. 1 से 2 एकड़ में या आवश्यकतानुसार प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।

समृद्ध किसान... हमारी पहचान...
एक किसान उत्पादक समूह
(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)

PROMOTED BY :
AFFED
A UNICORN
A Federation of Advance Farmers

एन.पी.के.

तरल/दानेदार जैविक उपचार
सभी फसलों के लिए

फसलों में लाभ :-

- ✓ एन.पी.के. के प्रयोग से पौधे की प्रकाश संश्लेषण प्रक्रिया तेज होती हैं।
- ✓ एन.पी.के. के प्रयोग से पौधे की जड़ों का विकास, बढ़वार व फुटाव में आशातित वृद्धि होती है।
- ✓ एन.पी.के. प्रयोग से पौधे को नाइट्रोजन, फॉस्फोरस व पोटाश की उपलब्धता कराता हैं। जिससे पौधे का सम्पूर्ण विकास सुनिश्चित है।
- ✓ एन.पी.के. के प्रयोग से पोधों में रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढती है व फूलों की मात्रा अधिक होती हैं ओर फूल न गिरने में सहायक हैं।
- ✓ एन.पी.के. पर्यावरण हितैषी उत्पाद हैं और यह पौधें के अन्दर पोषक तत्वों की कमी को दूर करता हैं।

प्रयोग करने के तरीके :-

1. तरल NPK का प्रयोग स्प्रे द्वारा और मिट्टी में मिलाकर व अन्य खादों में मिलाकर भी कर सकते हैं।
2. दानेदार NPK का प्रयोग आवश्यकतानुसार छिड़काव किया जा सकता हैं।

सावधानियां :- इनको धूप से बचाकर रखें। किटनाशकों के साथ इसका प्रयोग किया जा सकता हैं।

तरल उपयोग मात्रा :- 500 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

दानेदार उपयोग मात्रा :- 50 कि.ग्रा. 2 एकड़ में या आवश्यकतानुसार प्रयोग करें।

फसल विशेष :-

सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, मूली, आलू, जीरा, सब्जियां, बागबानी इत्यादि।

समृद्ध किसान... हमारी पहचान...
एक किसान उत्पादक समूह
(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)

PROMOTED BY : AFFED
A Federation of Advance Farmers

डी.ओ.पी. अल्ट्रा

तरल/दानेदार जैविक उपचार
सभी फसलों के लिए

फसलों में लाभ :-

- ✓ डिकंपोज्ड ऑर्गेनिक फॉस्फेट DOP अल्ट्रा एडवांस लेवल टेक्नोलॉजी पर आधारित फर्टिलाइजर है, जोकि फसलों में फॉस्फेट की पूर्ति के साथ साथ नाइट्रोजन व अन्य पोषक तत्व भी प्रदान करता है। यह बिजाई मशीनों में सीधे तौर पर इस्तेमाल या बीजों में मिलाकर बोया जा सकता है जिससे बिजाई के समय प्रयोग किए जाने वाले रसायनिक फर्टिलाइजर की जरूरत नहीं पड़ती है।
- ✓ यह पौधों को फॉस्फोरस प्रदान करता है, जो उनके विकास और पोषण के लिए आवश्यक है।
- ✓ यह मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है और मिट्टी की संरचना में सुधार करता है।
- ✓ यह पौधों की जड़ों को मजबूत बनाता है और उन्हें अधिक पोषक तत्व अवशोषित करने में मदद करता है।
- ✓ यह पौधों की वृद्धि को बढ़ावा देता है और उन्हें स्वस्थ और मजबूत बनाता है। इससे फसल उत्पादन अच्छा होता है।
- ✓ यह मिट्टी के pH स्तर को संतुलित करता है और जैविक अंश को बढ़ाकर मिट्टी को अधिक उपजाऊ बनाता है।
- ✓ यह पर्यावरण के अनुकूल है और मिट्टी को प्रदूषित नहीं करता है।
- ✓ यह लंबे समय तक प्रभावी रहता है और पौधों को लगातार पोषक तत्व प्रदान करता है।
- ✓ यह अन्य उर्वरकों के साथ मिलकर भी काम करता है और उनकी प्रभावशीलता को बढ़ाता है।

प्रयोग विधि :-

1. तरल 500 मिली. ली. या 50 किलो ग्राम दानेदार प्रति एकड़ प्रयोग करे।
2. एक्सपर्ट की सलाह से भूमि में पहले से प्रयोग किए गए विषैले रसायनिक फर्टिलाइजर के दुष्प्रभाव से उबारने के लिए इस्तेमाल मात्र को बढ़ाया जा सकता है।

ICAR NATIONAL RESEARCH CENTRE
(आईसीएआर - एन आर सी)
भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् - नैशनल अनुसंधान केन्द्र द्वारा गुणवत्ता निर्धारित

A COLLABORATED PANEL OF
HABITAT G.I. FARMER PRODUCER ORGANISATION
+
ICAR - NATIONAL RESEARCH CENTRE

डी.ओ.पी.

तरल/दानेदार जैविक उपचार
सभी फसलों के लिए

फसलों में लाभ :-

- ✓ यह फसल के अन्दर फोस्फेट की पूर्ति करता है और फसल के तने को मजबूत करने का काम करता है।
- ✓ यह खाद मिट्टी में पड़े व्यर्थ फॉस्फोरस को घुलनशील बनाकर पौधों को उपलब्ध करवाता है, जिससे डी.ए.पी. जैसे जहरीलें उर्वरक की पौधे को बहुत कम जरूरत पड़ती है।
- ✓ इसके प्रयोग 5 से 15 प्रतिशत उत्पादन में वृद्धि होती है और भूमि की उर्वरक क्षमता भी बढ़ती है।
- ✓ पोधों की रोग-प्रतिरोधक क्षमता बनी रहती है व इसके प्रयोग से बीजो की अंकुरण क्षमता तेज हो जाती है और फसल और फलों को गिरने से बचाता है।

प्रयोग करने के तरीके :-

1. तरल DOP का प्रयोग स्प्रे द्वारा और मिट्टी में मिलाकर व अन्य खादों में मिलाकर भी कर सकते हैं।
2. दानेदार DOP का प्रयोग आवश्यकतानुसार छिड़काव द्वारा किया जा सकता है।

सावधानियां :-

इनको धूप से बचाकर रखें। इसका प्रयोग रसायनिक उर्वरक/कीटनाशकों के साथ कर सकते।

तरल उपयोग मात्रा :- डी.ओ.पी 500 से 1000 मि.ली. प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

दानेदार उपयोग मात्रा :- डी.ओ.पी 50 कि.ग्रा. प्रति एकड़ या आवश्यकतानुसार प्रयोग करें।

फसल विशेष :- सरसों, धान, नरमा, मक्का, गेहूं, गन्ना, मटर, गाजर, मूली, आलू, जीरा इत्यादि।

समृद्ध किसान... हमारी पहचान...
एक किसान उत्पादक समूह
(केवल किसान उत्पादक समूह के शेयर धारकों के लिए)

PROMOTED BY : AFFED
A Federation of Advance Farmers

ब्लैक यूरिया

तरल/दानेदार जैविक उपचार
सभी फसलों के लिए

ब्लैक ऑर्गेनिक यूरिया एक प्राकृतिक और जैविक उर्वरक है जो फसलों के विकास और वृद्धि के लिए आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है।

इसके फायदे निम्नलिखित हैं :-

- ✓ प्राकृतिक और जैविक होने के कारण यह मिट्टी और पौधों के लिए सुरक्षित है।
- ✓ यह मिट्टी की उर्वरता को बढ़ाता है और उसे उपजाऊ बनाता है।
- ✓ यह पौधों को आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करता है, जैसे कि नाइट्रोजन, फ़ास्फोरस, और पोटाश।
- ✓ यह पौधों की वृद्धि और विकास को बढ़ावा देता है।
- ✓ यह पौधों की प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है और उन्हें बीमारियों से लड़ने में मदद करता है।
- ✓ यह मिट्टी को जहरीले रासायनिकों के दुष्प्रभाव से बचाता है व संरचना को सुधारता है और उसे अधिक उपजाऊ बनाता है।
- ✓ यह फसलों में नाइट्रोजन की पूर्ति प्राकृतिक तौर पर करता है। यह पर्यावरण के अनुकूल है और मिट्टी को प्रदूषित नहीं करता है।
- ✓ यह पौधों की पैदावार को बढ़ाता है और उन्हें अधिक स्वस्थ बनाता है।

इन फायदों के कारण, ब्लैक अग्रेनिक यूरिया एक लोकप्रिय और उपयोगी जैविक उर्वरक है जो फसलों के विकास और वृद्धि के लिए आवश्यक पोषक तत्व तथा नाइट्रोजन प्रदान करता है।

प्रयोग विधि :-

- ✓ तरल 500 मिली. ली. या दानेदार 10 किलोग्राम प्रति एकड़ में इस्तेमाल करें।
- ✓ एक्सपर्ट की सलाह से विषैले रसायनों के दुष्प्रभाव से भूमि को बचाने के लिए उपयोग मात्र को बढ़ाया जा सकता है।
- ✓ किसी भी अन्य खादों व रसायनिक उत्पादों के साथ मिला कर इस्तेमाल किया जा सकता है। धूप से बचा कर रखें।